भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 454

21.07.2026 को उत्तर के लिए नियत

भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने की योजना

454. **श्री धवल लक्ष्मणभाई पटेलः**

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पूंजीगत वस्तु क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने की योजना की वर्तमान स्थिति क्या है और गुजरात में भारी इंजीनियरिंग इकाइयों द्वारा इसे अपनाने की क्या स्थिति है;

(ख) क्या दक्षिण गुजरात के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के साथ इस क्षेत्र की कार्यबल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उद्योग-संबद्ध कौशल गठजोड़ स्थापित किए गए हैं; और

(ग) प्रौद्योगिकी उन्नयन और रोजगार के संदर्भ में अब तक हासिल किए गए परिणामों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क): भारी उद्योग मंत्रालय ने भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि हेतु स्कीम अधिसूचित की है। स्कीम के चरण-I के अंतर्गत ₹583.312 करोड़ की बजटीय सहायता के साथ 33 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। स्कीम के चरण-II के अंतर्गत ₹714.64 करोड़ की बजटीय सहायता के साथ 29 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। स्कीम के चरण-I के अंतर्गत गुजरात के सूरत जिले के बारदोली स्थित साइंस इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजिकल अपलिफ्टमेंट (सेतु) फाउंडेशन की कॉमन इंजीनियरिंग फैसिलिटी सेंटर (सीईएफसी) नामक परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है।

(ख): शून्य

(ग): स्कीम के अंतर्गत अब तक 74 विशिष्ट प्रौद्योगिकियों का विकास किया गया है तथा 23 बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) प्रदान किए जा चुके हैं। रोजगार के संबंध में मंत्रालय द्वारा कोई आंकड़ा संधारित नहीं किया जाता है।

*****